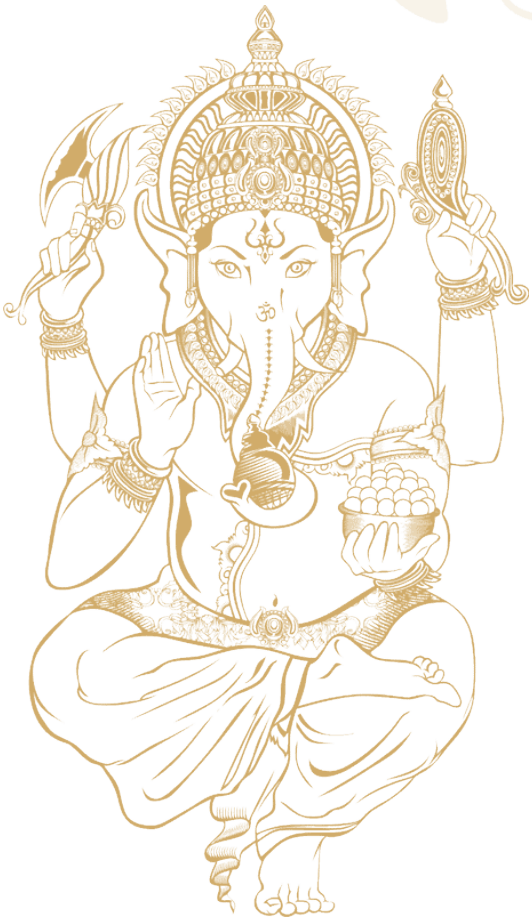

Mr.Dhruv kalro

Ms.revati gandhi

Model: Horoscope-Matching

Order No: 119571401

Model: Horoscope-Matching

Order No: 119571401 Date: 26/09/2025

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
03/12/1992	जन्म तिथि	17-18/08/1994
गुरुवार	दिन	बुध-गुरुवार
घंटे 10:45:00	जन्म समय	04:26:00 घंटे
घटी 10:43:29	जन्म समय(घटी)	55:45:46 घटी
India	देश	India
Bangalore	स्थान	Mumbai
13:00:00 उत्तर	अक्षांश	18:58:00 उत्तर
77:35:00 पूर्व	रेखांश	72:50:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:19:40	स्थानिक संस्कार	-00:38:40 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:27:36	सूर्योदय	06:20:18
17:51:22	सूर्यास्त	19:04:52
23:45:46	चित्रपक्षीय अयनांश	23:47:10
मकर	लग्न	कर्क
शनि	लग्न लग्नाधिपति	चन्द्र
कुम्भ	राशि	धनु
शनि	राशि-स्वामी	गुरु
पू०भाद्रपद	नक्षत्र	पूर्वाषाढ़ा
गुरु	नक्षत्र स्वामी	शुक्र
3	चरण	2
वज्र	योग	प्रीति
बालव	करण	बालव
दा-दामोदर	जन्म नामाक्षर	धा-धारिणी
धनु	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	सिंह
शूद्र	वर्ण	क्षत्रिय
मानव	वश्य	मानव
सिंह	योनि	वानर
मनुष्य	गण	मनुष्य
आद्य	नाड़ी	मध्य
सर्प	वर्ग	सर्प

Rajesh ahuja (rajusai)
47, 8th Main Rd, Mahaganapathi Nagar, 6th phase 1st stage, Mahaganapathi Nagar, Rajajinagar, Bengaluru, Karnataka 560079, India
9740384177
rajeshtahuja1970@gmail.com

ग्रह अंश एवं विंशोत्तरी

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
गुरु 6वर्ष 5मा 11दि		18:18:20	मक	लग्न	कर्क	04:25:19	शुक्र 11वर्ष 0मा 24दि	
बुध		17:32:18	वृश्चि	सूर्य	सिंह	01:00:33	मंगल	
15/05/2018		27:57:39	कुंभ	चंद्र	धनु	19:17:17	11/09/2021	
16/05/2035		03:44:10	कर्क व	मंगल	मिथु	06:58:06	11/09/2028	
बुध	11/10/2020	28:45:00	तुला	बुध	सिंह	06:04:07	मंगल	07/02/2022
केतु	08/10/2021	16:17:03	कन्या	गुरु	तुला	14:04:04	राहु	26/02/2023
शुक्र	08/08/2024	29:43:54	धनु	शुक्र	कन्या	16:52:33	गुरु	02/02/2024
सूर्य	15/06/2025	19:57:12	मक	शनि व	कुंभ	16:19:37	शनि	13/03/2025
चन्द्र	14/11/2026	27:48:56	वृश्चि व	राहु व	तुला	25:10:34	बुध	10/03/2026
मंगल	11/11/2027	27:48:56	वृष व	केतु व	मेष	25:10:34	केतु	06/08/2026
राहु	31/05/2030	22:17:29	धनु	हर्ष व	धनु	29:23:11	शुक्र	06/10/2027
गुरु	05/09/2032	23:34:25	धनु	नेप व	धनु	27:18:56	सूर्य	11/02/2028
शनि	16/05/2035	29:49:46	तुला	प्लूटो	वृश्चि	01:32:02	चन्द्र	11/09/2028

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

23:45:46 चित्रपक्षीय अयनांश 23:47:10

लग्न-चलित

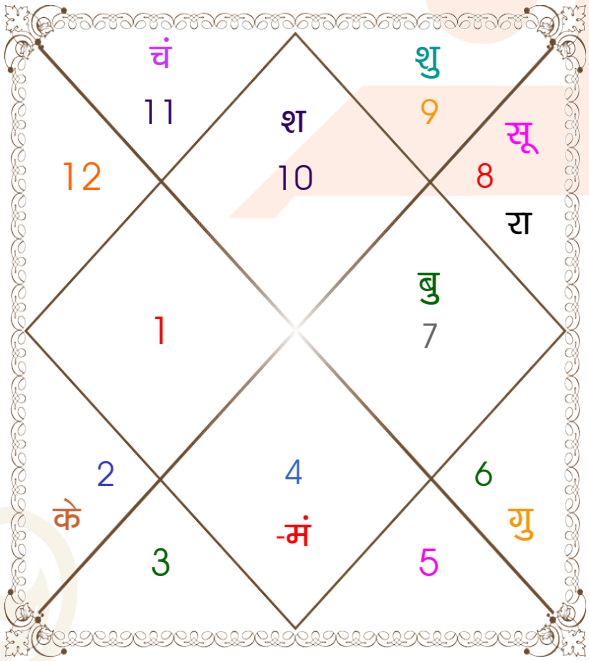

लग्न-चलित

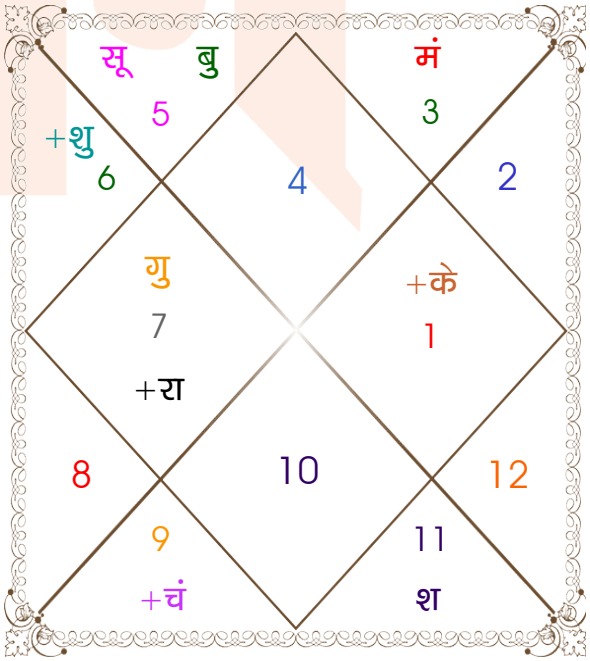

Rajesh ahuja (rajusai)
47, 8th Main Rd, Mahaganapathi Nagar, 6th phase 1st stage, Mahaganapathi Nagar, Rajajinagar, Bengaluru, Karnataka 560079, India
9740384177
rajeshtahuja1970@gmail.com

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	शूद्र	क्षत्रिय	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	चतुष्पाद	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	साधक	प्रत्यारि	3	1.50	--	भाग्य
योनि	सिंह	वानर	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	शनि	गुरु	5	3.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	मनुष्य	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	कुम्भ	धनु	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	मध्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	28.50		

कुल : **28.5 / 36**

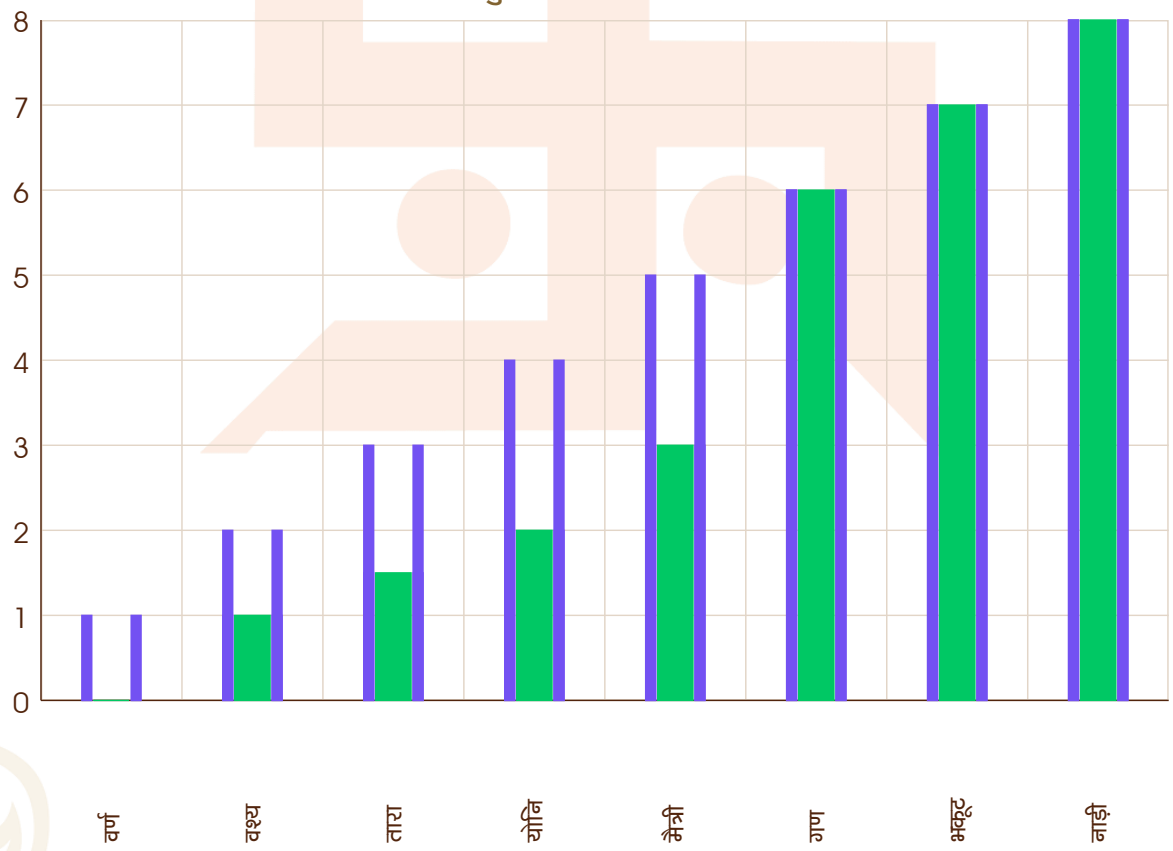

Rajesh ahuja (rajusai)
47, 8th Main Rd, Mahaganapathi Nagar, 6th phase 1st stage, Mahaganapathi Nagar, Rajajinagar, Bengaluru, Karnataka 560079, India
9740384177
rajeshtahuja1970@gmail.com

अष्टकूट मिलान

Mr.Dhruv kalro का वर्ग सर्प है तथा Ms.revati gandhi का वर्ग सर्प है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Mr.Dhruv kalro और Ms.revati gandhi का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Mr.Dhruv kalro मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।

चतुः सप्तमे भौमो मेषकर्कटे निग्रहः।
कुजदोषो न विद्यते।।

अर्थात् चतुर्थ तथा सप्तम भाव में यदि मेष या कर्क का मंगल हो तो कुजदोष समाप्त हो जाता है। क्योंकि मंगल Mr.Dhruv kalro कि कुण्डली में सप्तम् भाव में कर्क राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

भौमेः वक्रिणि नीचगृहे वाऽर्कस्थेऽपि वा न कुजदोषः।

अर्थात् यदि मंगल वक्री, नीच, अस्त का हो तो मंगल दोष नहीं होता है।

ढप्ध्;डडत्मजतवह;0द्धझ0द्धझ क्योंकि मंगल Mr.Dhruv kalro कि कुण्डली में वक्री है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Ms.revati gandhi मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

व्यये च कुजदोषः कन्यामिथुनयोरविना।
द्वादशे भौमदोषस्तु वृषतौलिकयोरविना।।

अर्थात् व्यय भाव में यदि मंगल बुध तथा शुक्र की राशियों में स्थित हो तो भौम दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल Ms.revati gandhi कि कुण्डली में द्वादश भाव में मिथुन राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

गुणबाहुल्ये भौमदोषो न विद्यते।।

यदि अधिक गुण मिलते हों तो मंगल दोष नहीं लगता।

क्योंकि अधिक गुण मिलते हैं अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Rajesh ahuja (rajusai)
47, 8th Main Rd, Mahaganapathi Nagar, 6th phase 1st stage, Mahaganapathi Nagar, Rajajinagar, Bengaluru, Karnataka 560079, India
9740384177
rajeshtahuja1970@gmail.com

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु Mr.Dhruv kalro कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Mr.Dhruv kalro तथा Ms.revati gandhi में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।

Rajesh ahuja (rajusai)
47, 8th Main Rd, Mahaganapathi Nagar, 6th phase 1st stage, Mahaganapathi Nagar, Rajajinagar, Bengaluru, Karnataka 560079, India
9740384177
rajeshtahuja1970@gmail.com

अष्टकूट फलादेश

वर्ण

Mr.Dhruv kalro का वर्ण शूद्र है तथा Ms.revati gandhi का वर्ण क्षत्रिय है। इसमें Ms.revati gandhi का वर्ण Mr.Dhruv kalro के वर्ण से नीचा नहीं है अतः यह मिलान उत्तम मिलान नहीं है। जिसके कारण Ms.revati gandhi अति वर्चस्वशाली होगी तथा सिर्फ आज्ञा देने वाली होगी। दोनों के बीच सदैव संघर्ष एवं तर्क-वितर्क का दौर चलता रह सकता है तथा दोनों के बीच कभी-कभी मार-पीट भी हो सकती है। Ms.revati gandhi का आक्रामक व्यवहार परिवार के सभी सदस्यों का जीना दूभर कर सकता है। परिवार में सुख-शान्ति की स्थापना के लिए Mr.Dhruv kalro को उसकी हर बात माननी होगी तथा गुलाम की भाँति रहना पड़ेगा।

वश्य

Mr.Dhruv kalro का वश्य द्विपद अर्थात मनुष्य है एवं Ms.revati gandhi का वश्य चतुष्पद अर्थात पशु है अतः यह मिलान औसत मिलान होगा। यद्यपि कि जानवर एवं मनुष्य के स्वभाव, गुण, पसंद/नापसंद अलग-अलग होते हैं फिर भी दोनों एक-दूसरे के सान्निध्य में जीवन व्यतीत करते हैं। फलस्वरूप Mr.Dhruv kalro एवं Ms.revati gandhi दोनों प्रेम एवं सौहार्द के साथ एक-दूसरे के साथ जीवन व्यतीत कर सकेंगे। Ms.revati gandhi अपने पति की हर आज्ञा शिरोधार्य करेगी तथा बदले में Mr.Dhruv kalro अपनी पत्नी की देखभाल करेगा तथा उसे प्रेम प्रदान करेगा।

तारा

Mr.Dhruv kalro की तारा साधक तथा Ms.revati gandhi की तारा प्रत्यरि है। Ms.revati gandhi की तारा प्रत्यरि होने के कारण यह मिलान औसत मिलान ही है। संभाव है कि यह विवाह Mr.Dhruv kalro एवं उसके परिवार के लिए हानिकारक साबित हो। Ms.revati gandhi का स्वभाव बिल्कुल लापरवाह, स्वार्थी एवं असहयोग की भावना वाली हो सकती है तथा भविष्य मे अपने स्वार्थ की पूर्ति करने में ही लगी रह सकती है। साथ ही Ms.revati gandhi के अवैध संबंध तक भी हो सकते हैं जिसके फलस्वरूप पति, बच्चों एवं संपूर्ण परिवार को काफी कष्ट एवं पीड़ा का सामना कर पड़ सकता है। Mr.Dhruv kalro अत्यधिक आध्यात्मिक हो सकता है तथा अपना अधिकांश समय आध्यात्मिक गतिविधियों में ही व्यतीत करता रहेगा।

योनि

Mr.Dhruv kalro की योनि सिंह है तथा Ms.revati gandhi की योनि वानर है। अर्थात दोनों की योनि समान नहीं हैं और इनके बीच उदासीनता का अर्थात सम संबंध है। अतः यह मिलान औसत मिलान कहलायेगा। जिसके कारण दोनों के बीच आपसी समझबूझ का अभाव रहेगा तथा जीवन में सहयोग की भावना एवं प्रेम का अभाव भी बना रहेगा। दोनों के

Rajesh ahuja (rajusai)
47, 8th Main Rd, Mahaganapathi Nagar, 6th phase 1st stage, Mahaganapathi Nagar, Rajajinagar, Bengaluru, Karnataka 560079, India
9740384177
rajeshtahuja1970@gmail.com

बीच अक्सर लड़ाई झगड़े होंगे तथा परिवार में तनाव तथा अशांति का भाव भी रह सकता है। साथ ही दोनों के बीच अविश्वास की भावना भी बनी रहेगी। दोनों एक दूसरे को संदेह की भावना से देखेंगे जिससे दोनों के बीच कटुता का भाव भी पैदा होगा। दोनों के बीच आपसी समझ की कमी भी रहेगी अतः दोनों के बीच वैचारिक मतभेद भी हो सकते हैं। संभव है कि दोनों के बीच अवैध संबंध को लेकर संदेह की भावना बन जाये जिसके कारण पारिवारिक तनाव भी हो सकता है। बात-बात में दोनों के बीच में कभी कभी तर्क-वितर्क की जगह कुतर्क भी हो सकता है। वर या कन्या में से कोई भी विश्वासघात भी कर सकता है। जिसके कारण दोनों के बीच लड़ाई झगड़ा भी हो सकता है। इनको अपने जीवन में अत्याधिक संघर्ष के उपरांत ही सफलता प्राप्त होगी अतः कठिन परिश्रम की आवश्यकता पड़ेगी। इसके बावजूद इनको अपने जीवन में सफलता कम ही मिलेगी। अर्थात मेहनत अधिक और परिणाम कम ही मिलने की संभावना है। जिसके कारण दोनों को समय-समय पर मानसिक पीड़ा होती रहेगी। पारिवारिक आय औसत ही रहेगी। अर्थात धनागम के स्रोत कम ही रहेंगे। पति-पत्नी के बीच विचारों में भिन्नता होगी एवं जीवन में उतार-चढ़ाव बने रहेंगे। दोनों लापरवाह प्रवृत्ति के होंगे किंतु परिवार के प्रति कर्तव्यनिष्ठ रहेंगे। दोनों के बीच रोमांस एवं सेक्स में रुचि की कमी भी रह सकती है। कई बार वाद-विवाद में तर्क-वितर्क होते रहेंगे। जिसके कारण समय-समय पर धन हानि भी हो सकती है। आपस में प्रेम एवं सौहार्द्र की भी कमी रहेगी। इस प्रकार इनका वैवाहिक जीवन बहुत अच्छा न रहकर निम्न सामान्य स्तर का ही होगा।

मैत्री

अष्टकूट मिलान में ग्रह मैत्री कूट में Mr.Dhruv kalro एवं Ms.revati gandhi दोनों के राशि स्वामी परस्पर सम हैं। अतः यह मिलान ग्रह मैत्री के विचार से औसत मिलान है। ज्योतिष की दृष्टि से यह मिलान औसत माना जायेगा। इसके कारण जीवन एवं करियर में हमेशा उतार-चढ़ाव बने रहेंगे। दोनों के बीच प्रेम एवं सहयोग का माहौल रहेगा किंतु यदा-कदा आपस में ये लड़ाई-झगड़ा भी कर सकते हैं। हालांकि ये जल्दी ही अपने झगड़े को भुलाकर समझौता भी कर लेंगे तथा जीवन पथ पर आगे बढते रहेंगे। सफलता पाने के लिए इनको अथक परिश्रम एवं उद्यम करना पड़ सकता है।

गण

Mr.Dhruv kalro का गण मनुष्य तथा Ms.revati gandhi का गण भी मनुष्य ही है। अर्थात दोनों का गण समान है। अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके कारण दोनों के स्वभाव एक जैसे होंगे। दोनों भौतिक सुखों के आकांक्षी, परिश्रमी, बुद्धिमान, व्यावहारिक तथा मिलनसार रहेंगे। तथा साथ मिलकर अपने सभी दायित्वों का निर्वहन करेंगे।

भकूट

Mr.Dhruv kalro से Ms.revati gandhi की राशि एकादश भाव में स्थित है तथा Ms.revati gandhi से Mr.Dhruv kalro की राशि तृतीय भाव में स्थित है जिसके कारण यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके कारण Mr.Dhruv kalro परिश्रमी, प्रिय, खुश तथा

Rajesh ahuja (rajusai)
47, 8th Main Rd, Mahaganapathi Nagar, 6th phase 1st stage, Mahaganapathi Nagar, Rajajinagar, Bengaluru, Karnataka 560079, India
9740384177
rajeshtahuja1970@gmail.com

अपना हर कार्य को उत्साह से संपादित करने वाले होंगे। वह अपने परिवार, पड़ोसियों तथा पूरे समाज की आंखों का तारा होंगे। उनके अपनी पत्नी के साथ उसके संबंध अति मधुर होंगे। दूसरी ओर Ms.revati gandhi हर गुण से परिपूर्ण होगी तथा पति के लिए सदैव सहायक होंगी। वह स्वयं भी व्यावसायिक गतिविधियों में लिप्त रहकर धन कमायेंगी। तथा घर के प्रबंधन में महत्वपूर्ण योगदान देंगी। साथ ही भविष्य के लिए बचत भी करती रहेंगी।

नाड़ी

Mr.Dhruv kalro की नाड़ी आद्य है तथा Ms.revati gandhi की नाड़ी मध्य है। अर्थात दोनों की नाड़ी समान नहीं है, जो कि अष्टकूट मिलान की दृष्टि से दोष मुक्त है। अर्थात यह मिलान अति उत्तम मिलान है। आद्य एवं मध्य नाड़ी का मिलान अति उत्तम माना जाता है क्योंकि इसमें जीवन के तीन आवश्यक घटकों में से दो वात एवं पित्त का समन्वय है। जीवन के अस्तित्व के लिए वात एवं पित्त का समन्वय आवश्यक है। जिसके कारण आपकी संतान काफी बुद्धिमान, स्वस्थ, मानसिक रूप से दृढ़ एवं सौभाग्यशाली होंगी। जो भौतिकवादी विश्व में सुविधा संपन्न जीवन जीने के लिए आवश्यक है।

Rajesh ahuja (rajusai)
47, 8th Main Rd, Mahaganapathi Nagar, 6th phase 1st stage, Mahaganapathi Nagar, Rajajinagar, Bengaluru, Karnataka 560079, India
9740384177
rajeshtahuja1970@gmail.com

मेलापक फलित

स्वभाव

Mr.Dhruv kalro की जन्म राशि वायु तत्व युक्त कुम्भ तथा Ms.revati gandhi की राशि अग्नि तत्व युक्त धनु राशि है। अतः दोनों के तत्वों में नैसर्गिक भिन्नता के कारण स्वभावगत विशेषताओं में असमानता रहेगी जिससे दाम्पत्य संबंधों में प्रतिकूलता आएगी अतः वैवाहिक जीवन सामान्य रहेगा। अतः यह मिलान सामान्य रहेगा ।

Mr.Dhruv kalro की राशि का स्वामी शनि तथा Ms.revati gandhi की राशि का स्वामी बृहस्पति परस्पर समराशियों में स्थित हैं। अतः इसके प्रभाव इनके परस्पर संबंधों में मधुरता होगी तथा एक दूसरे के प्रति प्रेम सहानुभूति तथा समर्पण का भाव रहेगा। साथ ही सुख दुख में एक दूसरे की सेवा तथा सहयोग करने में तत्परता का परिचय देंगे। ये सच्चे मित्रो की तरह आपस में व्यवहार करेंगे तथा गुणों की प्रशंसा एवं कमियों की उपेक्षा करेंगे। अतः पारिवारिक जीवन में शांति तथा सदभावना बनी रहेगी।

Mr.Dhruv kalro और Ms.revati gandhi की राशियां परस्पर एकादश तथा तृतीय भाव में पड़ती हैं शास्त्रानुसार यह शुभ भकूट माना जाता है इसके प्रभाव से उपरोक्त शुभप्रभावों में वृद्धि होगी तथा एक दूसरे के प्रति पूर्ण सदभाव रखेंगे तथा अनुकूल सहयोग प्रदान करने के लिए तत्पर रहेंगे। साथ ही Mr.Dhruv kalro और Ms.revati gandhi की आर्थिक तथा भौतिक स्थिति भी अच्छी रहेगी तथा एक दूसरे के लिए भाग्यशाली सिद्ध होंगे।

Mr.Dhruv kalro का वश्य मानव तथा Ms.revati gandhi का वश्य चतुष्पद है। मानव एवं चतुष्पद में नैसर्गिक विषमता होने के कारण इनकी अभिरूचियों में अंतर रहेगा। तथा शारीरिक मानसिक एवं भावनात्मक स्तर पर भी आवश्यकताएं अलग रहेंगी। साथ ही दाम्पत्य संबंधों में भी एक दूसरे को प्रसन्न तथा सन्तुष्ट करने में असमर्थ रहेंगे। अतः परस्पर सामंजस्यपूर्ण व्यवहार रखना चाहिए।

Mr.Dhruv kalro का वर्ण शूद्र तथा Ms.revati gandhi का वर्ण क्षत्रिय है। अतः Mr.Dhruv kalro एक ईमानदार कार्य कर्ता होंगे परन्तु Ms.revati gandhi की प्रवृति साहसिक तथा पराक्रमी कार्यो को करने में रहेगी फलतः कार्यक्षेत्र सुदृढ़ रहेगा।

धन

Mr.Dhruv kalro और Ms.revati gandhi दोनों की तारा परस्पर सम है। अतः आर्थिक स्थिति पर इसका कोई शुभ या अशुभ प्रभाव नहीं होगा तथा सामान्य रूप से धन एवं लाभ अर्जित करने में समर्थ होंगे। इनकी राशियां परस्पर तृतीय एवं एकादश भाव में पड़ती है। आर्थिक दृष्टि से सुदृढ़ता एवं सम्पन्नता में वृद्धि के लिए यह भकूट शुभ माना जाता है। लेकिन यदा कदा Ms.revati gandhi की आर्थिक स्थिति मंगल का दुष्प्रभाव भी परिलक्षित होगा जिससे वे यदा कदा अर्थिक विषमता की अनुभूति करेंगी परन्तु स्वपरिश्रम एवं योग्यता से वे

Rajesh ahuja (rajusai)
47, 8th Main Rd, Mahaganapathi Nagar, 6th phase 1st stage, Mahaganapathi Nagar, Rajajinagar, Bengaluru, Karnataka 560079, India
9740384177
rajeshtahuja1970@gmail.com

इसमें अनुकूलता लाने में समर्थ होंगी।

Mr.Dhruv kalro आर्थिक स्थिति सुदृढ़ता प्रदान करने के लिए सौभाग्यशाली रहेंगे तथा जीवन में धनऐश्वर्य एवं वैभव की उनके पास कमी नहीं रहेगी। साथ ही Ms.revati gandhi की व्ययशील प्रवृति का भी उनकी आर्थिक समानता पर भी कोई दुष्प्रभाव नहीं होगा तथा आनंद पूर्वक अपना समय व्यतीत करेंगे।

स्वास्थ्य

Mr.Dhruv kalro की नाड़ी आद्य तथा Ms.revati gandhi की नाड़ी मध्य है। अतः इन पर नाड़ी दोष का कोई दुष्प्रभाव नहीं होगा तथा सामान्य रूप से इनका स्वास्थ्य अच्छा ही रहेगा परन्तु मंगल का दोनों के ऊपर दुष्प्रभाव होगा जिससे दोनों धातु या गुप्त रोग संबंधी कष्ट प्राप्त करेंगे। साथ ही Mr.Dhruv kalro हृदय रोग संबधी परेशनियों से युक्त रहेंगे जिससे शारीरिक क्षीणता रहेगी तथा Ms.revati gandhi को गर्भपात की संभावना होगी। मंगल के प्रभाव से Mr.Dhruv kalro के पुरूषत्व में न्यूनता आएगी तथा Ms.revati gandhi भी उदासीनता का भाव प्रदर्शित करेंगी फलतः उनके दाम्पत्य सुख में भी न्यूनता का आभास होगा। अतः उपरोक्त दुष्प्रभावों में कमी करने के लिए Mr.Dhruv kalro और Ms.revati gandhi को नियमित रूप से हनुमानजी की उपासना तथा मंगलवार के उपवास रखने चाहिए। साथ ही मूंगा धारण करना दोनों के लिए श्रेयष्कर रहेगा।

संतान

संतति की दृष्टि से Mr.Dhruv kalro और Ms.revati gandhi का मिलान उत्तम रहेगा। इसके प्रभाव से Mr.Dhruv kalro और Ms.revati gandhi को उचित समय पर संतति प्राप्ति होगी तथा इसमें किसी भी प्रकार से विलम्ब या व्यवधान नहीं होगा। साथ ही बच्चों के मध्य अंतर भी अनुकूल रहेगा जिससे उचित मात्रा में उनका पालन पोषण करने का अवसर प्राप्त होगा। इसके अतिरिक्त Mr.Dhruv kalro और Ms.revati gandhi के पुत्र एवं कन्याओं की संख्या बराबर रहेगी।

Ms.revati gandhi का प्रसव सामान्य रूप से होगा तथा इसमें उन्हें किसी भी प्रकार से परेशानी या कष्ट का सामना नहीं करना पड़ेगा। साथ ही किसी प्रसूति संबधी चिकित्सा की भी आवश्यकता नहीं रहेगी। अतः Ms.revati gandhi के मन में इसके प्रति जो अनावश्यक भय या चिन्ताएं रहती है उसको दूर कर देना चाहिए तथा नियमित रूप से गर्भावस्था में डाक्टरी परीक्षण करवाने चाहिए। इस प्रकार Ms.revati gandhi सुदंर स्वस्थ एवं आकर्षक बच्चों को जन्म देने में सफल होंगी तथा स्वयं भी शांति तथा स्वस्थता की अनुभूति करेंगी।

बच्चों के द्वारा Mr.Dhruv kalro और Ms.revati gandhi को पूर्ण सन्तुष्टि मिलेगी तथा अपनी योग्यता बुद्धिमता एवं व्यवहार कुशलता से वे अपने क्षेत्र में प्रसिद्धि प्राप्त करेंगे यद्यपि माता पिता के वे आज्ञाकारी रहेंगे तथा उनकी इच्छा के विरूद्ध कोई भी कार्य नहीं करेंगे तथापि माता के प्रति उनके मन में विशेष लगाव तथा सम्मान का भाव रहेगा तथा उनकी आज्ञा पालन करने में सर्वदा तत्पर रहेंगे। इस प्रकार Mr.Dhruv kalro और डेण्तमअंजप

Rajesh ahuja (rajusai)
47, 8th Main Rd, Mahaganapathi Nagar, 6th phase 1st stage, Mahaganapathi Nagar, Rajajinagar, Bengaluru, Karnataka 560079, India
9740384177
rajeshtahuja1970@gmail.com

हंदकीप का पारिवारिक जीवन सुख तथा शांति से पूर्ण रहेगा तथा प्रसन्नता पूर्वक वे अपना समय व्यतीत करेंगे।

ससुराल-सुश्री

Ms.revati gandhi के सास से प्रायः अच्छे संबध रहेंगे। यद्यपि उनकी सास अन्य जनों के मामलों में कम ही हस्तक्षेप करने वाली महिला होंगी तथापि उनके कुछ सिद्धांत Ms.revati gandhi के लिए अनुकरणीय हो सकते है। साथ ही इन दोनों के मध्य कोई विशेष समस्या या मतभेद नहीं रहेंगे।

Ms.revati gandhi अपने कुशल व्यवहार मधुर वाणी एवं सेवा भाव से ससुर को प्रसन्न एवं सन्तुष्ट करने में सफलता प्राप्त करेंगी। साथ ही ननद एवं देवरों के साथ भी उनके संबध मित्रता पूर्ण रहेंगे तथा उनको पूर्ण सहयोग एवं स्नेह प्रदान करेंगी। अतः उनका दिल जीतने में सफल रहेंगी।

इस प्रकार Ms.revati gandhi के प्रति उनके सास ससुर का दृष्टि कोण आत्मयीता से पूर्ण रहेगा तथा घर में उसे पूर्ण सुख सुविधा तथा स्नेह प्रदान करेंगे।

ससुराल-श्री

Mr.Dhruv kalro के अपनी सास से संबधों में मधुरता रहेगी तथा सास को वह अपनी माता के समान पूर्ण आदर एवं सम्मान प्रदान करेंगे। वह उन्हें अपने पुत्र के समान समझेंगी तथा उसी प्रकार अपनत्व तथा वात्सल्य प्रदान करेंगी। साथ ही समय समय पर वे सपत्नीक सास से मिलने के लिए ससुराल जाते रहेंगे।

लेकिन ससुर के साथ में Mr.Dhruv kalro के संबध अच्छे नहीं रहेंगे। इनकी आयु में अधिक अंतर के कारण वैचारिक तथा सैद्धांतिक मतभेद समय समय पर उत्पन्न होते रहेंगे। लेकिन यदि दोनों सामंजस्य की प्रवृति से कार्य लें तो मतभेदों में न्यूनता आएगी तथा मधुर संबधों में वृद्धि होगी। साथ ही साले एवं सालियों से भी संबधों में तनाव रहेगा तथा मानसिक स्तर पर विभिन्नता रहेगी जिससे एक दूसरे को वांछित सहयोग स्नेह एवं सहानुभूति अल्प ही प्रदान करेंगे। अतः इनको परस्पर सामंजस्य के भाव की स्थापना करनी चाहिए। इस प्रकार ससुराल पक्ष का दृष्टिकोण Mr.Dhruv kalro के प्रति सामान्य ही रहेगा।

Rajesh ahuja (rajusai)
47, 8th Main Rd, Mahaganapathi Nagar, 6th phase 1st stage, Mahaganapathi Nagar, Rajajinagar, Bengaluru, Karnataka 560079, India
9740384177
rajeshtahuja1970@gmail.com